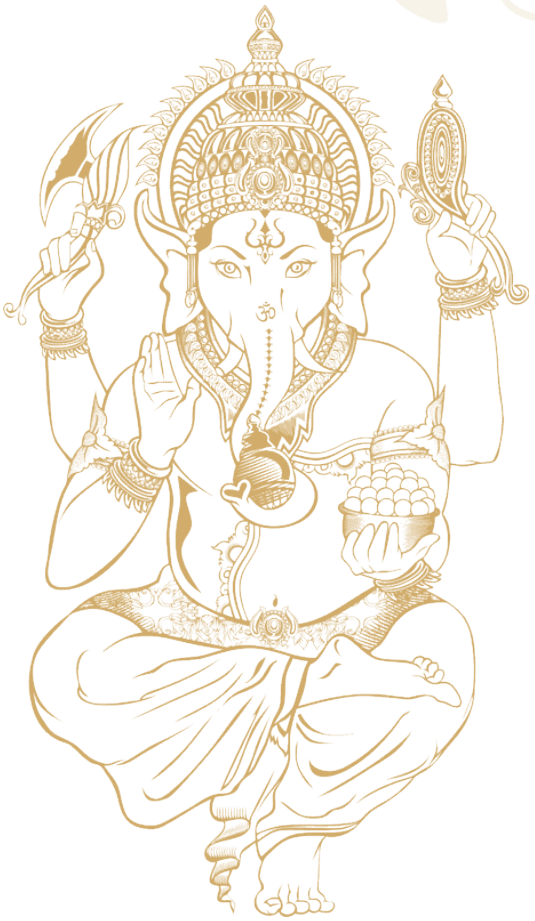

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121284102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/11/1994	जन्म तिथि	8-09/03/2002
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	00:33:00 घंटे
घटी 29:16:52	जन्म समय(घटी)	44:28:02 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Nawashahr
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:15	सूर्योदय	06:44:43
17:30:02	सूर्यास्त	18:28:16
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:59

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 11मा 12दि		17:23:13	वृष	लग्न	वृश्चि	12:31:36	शुक्र 0वर्ष 11मा 29दि	
शुक्र		28:08:37	तुला	सूर्य	कुंभ	24:08:39	मंगल	
27/10/2017		17:29:20	मीन	चंद्र	धनु	26:00:04	08/03/2019	
27/10/2037		26:46:08	कर्क	मंगल	मेष	11:10:53	08/03/2026	
शुक्र	26/02/2021	11:53:31	तुला	बुध	कुंभ	01:22:51	मंगल	04/08/2019
सूर्य	26/02/2022	00:43:17	वृश्चि	गुरु	मिथु	11:49:29	राहु	22/08/2020
चन्द्र	28/10/2023	10:25:08	तुला व	शुक्र	मीन	07:01:02	गुरु	29/07/2021
मंगल	27/12/2024	11:54:52	कुंभ	शनि	वृष	14:54:50	शनि	07/09/2022
राहु	28/12/2027	21:02:32	तुला	राहु व	वृष	29:26:00	बुध	04/09/2023
गुरु	28/08/2030	21:02:32	मेष	केतु व	वृश्चि	29:26:00	केतु	31/01/2024
शनि	27/10/2033	29:23:21	धनु	हर्ष	कुंभ	02:14:51	शुक्र	01/04/2025
बुध	27/08/2036	27:17:18	धनु	नेप	मक	15:58:55	सूर्य	07/08/2025
केतु	27/10/2037	03:56:35	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:42:23	चन्द्र	08/03/2026

लग्न-चलित

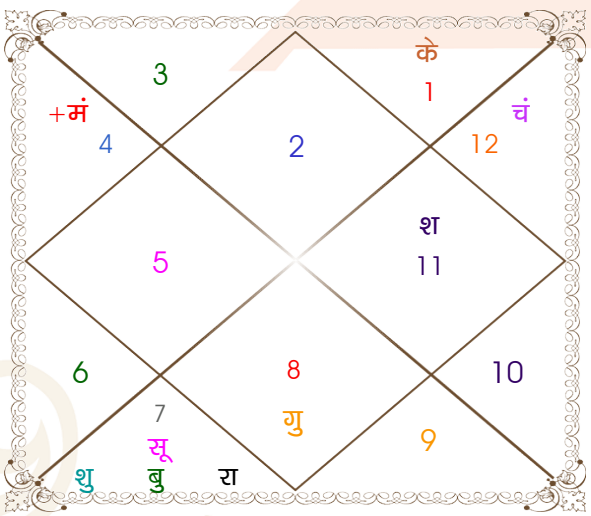

लग्न-चलित

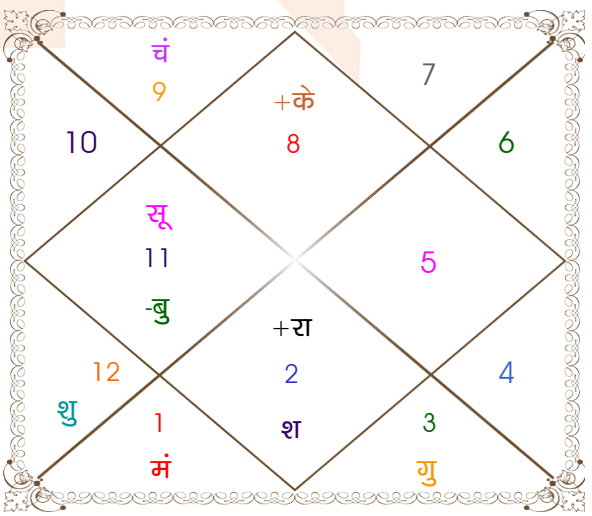

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.50		

M का वर्ग सर्प है तथा F का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

F मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।